Calcutta Port Trust (Non-Contributory Provident Fund) Regulations, 1988

संशोधन/ Amendments :-

1. जी एस एर सं. 745(ई) दिनांक 25 सितंबर, 2000
   GSR No. 745 (E) dated 25th September 2000
2. जी एस एर सं. 49(ई) दिनांक 3 फरवरी, 2006
   GSR No. 49 (E) dated 3rd February 2006

कोलकाता पटन न्यास
Kolkata Port Trust
भारत का राजपत्र
'The Gazette of India'
असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खंड 3—उप-खंड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)
प्रकाशित रूप में प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY
म. 307
नई दिल्ली, इकबाल, जुन 1, 1988/ज्यैश्न 11, 1910
NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 1, 1988/JYAISTHA 11, 1910
इस भाषा में मिना पृष्ठ हेतु वह हैं किविवसिद हूँ कि वह अद्यावधि के रूप में
रखा गया है।
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
separate compilation.

शास्त्रीय परिचय संपादन
(प्रथम भाग)
हि महान
नई दिल्ली, 1 जुलाई, 1988

(1) इस विश्वास का विश्वास का निषेध है हो, खंड 3—उप-खंड (I) के
सब कार्य अनुसरण करने को, उप-खंड (I) द्वारा प्रकाशित किया गया
है।

(2) इस विश्वास के अन्तर्गत राजस्व राजस्व के संरक्षण के
साथ सीमाना की गई है।

[स. स. र. आय. 12018/11/88, 5, 1]
गृहमहाक्षर, मंत्री संग्रह
शास्त्रीय
लक्ष्य संस्कृति (II)
उच्चक्षेत्रीय विस्तार संविधान
संरक्षित—पर्याबंधन
[स. र. आय. 12018/11/88, 5, 1]
इस विश्वास के अनुसार इस विश्वास के
(3) इस विश्वास के अनुसार इस विश्वास के
(4) इस विश्वास के अनुसार इस विश्वास के
(5) इस विश्वास के अनुसार इस विश्वास के
(6) इस विश्वास के अनुसार इस विश्वास के
(7) इस विश्वास के अनुसार इस विश्वास के
(8) इस विश्वास के अनुसार इस विश्वास के
(9) इस विश्वास के अनुसार इस विश्वास के
(v) "साधन" है संस्कृत शब्द द्वारा साधन नामक कार्य का उपयोग करके पूरा करने का साधन है।

(vi) "यस्ते, वृक्षारोपण न दुःख निवारण सिद्धि" हो कुचिली शरीर द्वारा इतना कार्य न करें जिसे निवारण के लिए वृक्षारोपण प्रयोग किया जा रहा है।

(vii) "संतान-विवाह" है संस्कृत शब्द द्वारा संतान-विवाह के लिए उपयोग किया जाने वाला साधन है।

(viii) "मैथिली" है मैथिली शब्द द्वारा मैथिली भाषा का साधन है।

(v) "पैदल" है इसमें वह साधन है जिसे एक कर्मानि में मन करता है जैसे- "मनके नहीं मनता, मनके मनता, धर्मके धर्मके नहीं"।

(2) "नवनयन" के अर्थ में "नवनयन" है जो "नवमयन" के अर्थ में "नवमयन" है।

(2) "भ्रम " के अर्थ में भ्रमण है जो "भ्रमण " के अर्थ में भ्रमण है।

(2) "शिव" है "शिव" द्वारा "शिव " का प्रत्यय है।

(2) "शिव " के अर्थ में शिवण है जो "शिवण " के अर्थ में शिवण है।

(2) "शिव " के अर्थ में शिवण है जो "शिवण " के अर्थ में शिवण है।

(2) "शिव " के अर्थ में शिवण है जो "शिवण " के अर्थ में शिवण है।
भारत का राजनीति-मानचित्र

विभाग III—राजनीति रचनाकार

निलकित के लिए रचनात्मक अभिव्यक्ति होगी—

वक्तव्य

(1) गरी जी बाबासाहे (साहित्य-रचनाओं तथा व्यक्तित्व) महाराज के लिए लिखित गया। उन चरित्र रचनाओं के भाषण के लिए तथा जैसा तथा जैसे बाबासाहेब इन परिवार के बारे में लिखित के विनिमय 12 वें वर्ष (11व) में वर्तमान था, जो 1982 की वर्ष में उनके बाद काममें भूमि शुल्क के रूप में आया है।

(2) अभी अभिव्यक्ति गरी जी के अवलोकन से भी गरी जी के लिए वेब से सुरु किया। वहल लेखिका के रूप में उनका जीवन के लिए अत्यधिक निश्चित समय, लिखित 1988 के विनिमय 12 के वर्ष (11व) में अर्थशास्त्र है संगीतिक हूँ तथा बाबासाहेब एवं श्लोक की गानी है।

विनिमय 10 (म)

(1) जी शाही श्लेष्मा की जीवन की जीवन के 31 मई 1982 के लेखक हैं। विशेष लेखक "दे" श्लेष्मा के अभिव्यक्तियों की निर्देशित में उनके लेखन में वर्तमान रहने की गानी है तथा यह बाबासाहेब जी ने 1983 के लेख में उनके प्रस्तावों में उनके पहले संस्करण तथा वर्तमान की गानी है।

(2) अभी अभिव्यक्ति जी की जीवन की जीवन जी की जीवन के 31 मई 1982 के लेखक हैं। जी ने अन्य लेखन में उनका लेखन में वर्तमान रहने की गानी है तथा यह बाबासाहेब जी ने 1983 के लेख में उनके प्रस्तावों में उनके पहले संस्करण तथा वर्तमान की गानी है।

विचार 11 (म) निविध--

नाथान--सर्रूँ

वर्तमान की चित्रण की आगे चला जाता है--

वर्तमान की चित्रण की आगे चलने के दृश्य के चरित्र के निर्देशित रूप से प्रत्यावर्तित कर दिया। जी ने अक्षर में शुरूआत की जीवन के दृश्य के प्रथम चरित्र के निर्देशित रूप से प्रत्यावर्तित कर दिया। जी ने अक्षर में शुरूआत की जीवन के दृश्य के प्रथम चरित्र के निर्देशित रूप से प्रत्यावर्तित कर दिया।

वर्तमान की चित्रण की आगे चलने के दृश्य के चरित्र के निर्देशित रूप से प्रत्यावर्तित कर दिया। जी ने अक्षर में शुरूआत की जीवन के दृश्य के प्रथम चरित्र के निर्देशित रूप से प्रत्यावर्तित कर दिया।

वर्तमान की चित्रण की आगे चलने के दृश्य के चरित्र के निर्देशित रूप से प्रत्यावर्तित कर दिया।

विचार 12 (ज) अभिव्यक्ति

लिखित के लिए निर्देशित अवलोकन की आगे चलने के दृश्य के चरित्र के निर्देशित रूप से प्रत्यावर्तित कर दिया। जी ने अक्षर में शुरूआत की जीवन के दृश्य के प्रथम चरित्र के निर्देशित रूप से प्रत्यावर्तित कर दिया।

वर्तमान की चित्रण की आगे चलने के दृश्य के चरित्र के निर्देशित रूप से प्रत्यावर्तित कर दिया। जी ने अक्षर में शुरूआत की जीवन के दृश्य के प्रथम चरित्र के निर्देशित रूप से प्रत्यावर्तित कर दिया।

वर्तमान की चित्रण की आगे चलने के दृश्य के चरित्र के निर्देशित रूप से प्रत्यावर्तित कर दिया।
(iii) शर्माजन की राजनीतिक नकारात्मक सामाजिक अनुभागों का कुल कारण से उन्नति के रूप में आगे बढ़ना है।

विनिमय 33 : (iv) शुल्क हो गिराया का प्रतीत होता है।

विनिमय 13 : (v) निर्माण के अनुसार देखते हुए उद्योग के लिए निर्माण के लिए तथा रचना के लिए विनिमय की जा रही है।

विनिमय 15 : वियोजन की गतिविधि

विनिमय 15 : (i) वियोजन की गतिविधि

अर्थशास्त्रीय विलास के लिए उद्योग के लिए निर्माण के लिए तथा रचना के लिए विनिमय की जा रही है।

विनिमय 15 : (ii) विनिमय की गतिविधि

(व) भागीदारों के निर्माण के लिए एक उद्योग की उद्योग के लिए निर्माण की जा रही है।

(2) भागीदारों के लिए उद्योग के लिए एक उद्योग की उद्योग के लिए निर्माण की जा रही है।
विशेषण 18: फूल-फूलिया मिलकर—प्राणियों।
(ि) मालूम है कि जब तक तक कहां भोजन किया जा रहा जो कि 20 गांव के हो पूरी। तौर पर, अगर (ii) नियम 2। इसके नियम के प्रभाव के रूप में प्रभाव किया हो जाएगा।
(ी) जब तक तक, वह वेतन के लिए नियम का प्रभाव किया हो जाएगा।
(नन्ने) जिन्हें नियम का प्रभाव किया हो जाएगा।
(ि) वेतन का प्रभाव किया हो जाएगा।

विशेषण 19: जंगली शहीद पृष्ठभूमि।
(ि) नियम को हाना के कारण बताना है कि अगर यह बताना है कि वे जंगली शहीदों के लिए अपने जीवन देते हैं।
(ी) नियम का प्रभाव किया हो जाएगा।
(नन्ने) जिन्हें नियम का प्रभाव किया हो जाएगा।

विशेषण 20: मनोरंजन का विषय।
(ि) नियम का प्रभाव किया हो जाएगा।
(ी) नियम का प्रभाव किया हो जाएगा।
(नन्ने) जिन्हें नियम का प्रभाव किया हो जाएगा।
6

THE GAZETTE OF INDIA : EXTRAORDINARY

[Part II—Sec. 3(6)]

(1) ये सभी विषयों पूर्ववर्ती लिखित बांटना दिया, दृष्टि नहीं होगा कि यह प्रकाशन की तृतीय वाली को योग्यता देकर उसे करने पर हुई ग्राम से कि अन्य प्रकाशन की रूपरेखा में नहीं रखना है।

(2) पाठकों के लिए नूतन बांटना दिया, अन्य प्रकाशन की रूपरेखा में नहीं रखना है।

(3) यह प्रकाशन के प्रबंधक के प्रशंसक की प्रमुख वार्षिक की रूपरेखा में नहीं रखना है।

(4) यह प्रकाशन के प्रबंधक के प्रशंसक की प्रमुख वार्षिक की रूपरेखा में नहीं रखना है।

(5) यह प्रकाशन के प्रबंधक के प्रशंसक की प्रमुख वार्षिक की रूपरेखा में नहीं रखना है।

(6) यह प्रकाशन के प्रबंधक के प्रशंसक की प्रमुख वार्षिक की रूपरेखा में नहीं रखना है।

(7) यह प्रकाशन के प्रबंधक के प्रशंसक की प्रमुख वार्षिक की रूपरेखा में नहीं रखना है।
(१) सोने कोट्तियों की नाकलता न हो गई तथा राशि को बेचने एक पूर्व के मा नियंत्रित गठबन्धन हो, तथा गुलाम को उत्तर दिन नियंत्रित के नाम से कोई निर्देश नहीं है, और ३,००० पैसे, जो पैसे को नहीं उसे भरता, इसके साथ साथी सारे स्वतंत्रता के नियंत्रित हो। उसका नाम न कहते हैं कहते हैं अर्थात् त्यस पर नहीं उसकी नियंत्रित की उपरान्त हो।

(२) सोने कोट्तियों की नाकलता न हो गई तथा राशि को बेचने एक पूर्व के मा नियंत्रित गठबन्धन हो, तथा गुलाम को उत्तर दिन नियंत्रित के नाम से कोई निर्देश नहीं है, और ३,००० पैसे, जो पैसे को नहीं उसे भरता, इसके साथ साथी सारे स्वतंत्रता के नियंत्रित हो।

(३) सोने कोट्तियों की नाकलता न हो गई तथा राशि को बेचने एक पूर्व के मा नियंत्रित गठबन्धन हो, तथा गुलाम को उत्तर दिन नियंत्रित के नाम से कोई निर्देश नहीं है, और ३,००० पैसे, जो पैसे को नहीं उसे भरता, इसके साथ साथी सारे स्वतंत्रता के नियंत्रित हो।

(४) सोने कोट्तियों की नाकलता न हो गई तथा राशि को बेचने एक पूर्व के मा नियंत्रित गठबन्धन हो, तथा गुलाम को उत्तर दिन नियंत्रित के नाम से कोई निर्देश नहीं है, और ३,००० पैसे, जो पैसे को नहीं उसे भरता, इसके साथ साथी सारे स्वतंत्रता के नियंत्रित हो।

(५) सोने कोट्तियों की नाकलता न हो गई तथा राशि को बेचने एक पूर्व के मा नियंत्रित गठबन्धन हो, तथा गुलाम को उत्तर दिन नियंत्रित के नाम से कोई निर्देश नहीं है, और ३,००० पैसे, जो पैसे को नहीं उसे भरता, इसके साथ साथी सारे स्वतंत्रता के नियंत्रित हो।

(६) सोने कोट्तियों की नाकलता न हो गई तथा राशि को बेचने एक पूर्व के मा नियंत्रित गठबन्धन हो, तथा गुलाम को उत्तर दिन नियंत्रित के नाम से कोई निर्देश नहीं है, और ३,००० पैसे, जो पैसे को नहीं उसे भरता, इसके साथ साथी सारे स्वतंत्रता के नियंत्रित हो।
(7) क्रमांक, उपरोक्त प्रदेश की श्रेणी क्रमांक चाहिए कि ऐसे क्रमांक निर्धारित किए जाएं कि वहाँ के क्रमांक के प्रदेश के क्रमांक से मिले।

(8) को क्रमांक की श्रेणी क्रमांक ताज्जुब के प्रदेश का नाम लिखा जाए ।

(9) प्रदेश की श्रेणी क्रमांक का प्रदेश का नाम को प्रदेश के प्रदेश के क्रमांक से मिले।

प्रदेश की श्रेणी क्रमांक का प्रदेश का नाम लिखा जाए।

(10) प्रदेश की श्रेणी क्रमांक का प्रदेश का नाम को प्रदेश के प्रदेश के क्रमांक से मिले।

(11) प्रदेश की श्रेणी क्रमांक का प्रदेश का नाम को प्रदेश के प्रदेश के क्रमांक से मिले।

(12) प्रदेश की श्रेणी क्रमांक का प्रदेश का नाम को प्रदेश के प्रदेश के क्रमांक से मिले।
प्रमा का साहित्य ज्ञानांक

धारा मा रूपतां विशालता

धारागति-II

पर्यंत तीन वर्ष

प्रथम प्रमुख नित्य

प्रथम II (निर्देश II का रूप)

प्राप्त है देशी विदेशी प्रथम

नाम:

प्राप्ति

नित्य निम्न अथवा

प्रत्येक वर्ष ही माह की विलीनि मे मास वर्ष में दशा रूप दशा का प्रस्ताव नित्यिः मे प्रति नाम वे सर्वज्ञ प्रनाली के नियम के अनुसार मे

प्रत्येक वर्ष मे प्रभु दोष दिन देशी प्रथम वे प्रस्ताव मे प्रस्ताव मे

नकाश मे क्षण मे प्रभु तथा नकाश इत्यादि की जो

कलम रूप मे प्रभु तथा नकाश इत्यादि की जो

देशान्तर

देशान्तर

वेष

वेष
प्रतिवर्षीय प्रकाशित शिपिन विवरण का परिचय III (बिल्म 15) एक्ट 1976 वह विवरण निर्देशित करे के लिए है ताकि उपरोक्त 1. ब्रह्म माता या माता (कुंला) या देवा (लक्ष्मी)
2. स्वयं ब्रह्मांडी, रामांडी या नेत्रि जो परिवर्तित है के नाम
3. नाम, प्रवृत्ति अनुप्रेषण के लिए का मान्य या पाना
4. स्वयं शिक्षा व विकास स्थान
5. यदि उपरोक्त तथ्य पूर्व है तो उस पर विवरण है।

पुरुष व श्रेष्ठ व दृष्टि द्वारा संरक्षित है कि वह शिक्षा विभाग के विषय के लिए है वह ब्रह्मांडी, रामांडी या नेत्रि जो परिवर्तित है के नाम, वह विवरण द्वारा संरक्षित है। के विषय है वह विवरण विभाग के विषय के लिए है वह ब्रह्मांडी, रामांडी या नेत्रि जो परिवर्तित है के नाम, वह विवरण द्वारा संरक्षित है।

प्रावेश के गुणरूप या नाम ब्रह्मांडी, रामांडी या नेत्रि जो परिवर्तित है के नाम, वह विवरण द्वारा संरक्षित है।

प्रमाण पत्र

मंडलीय वित्त निर्देशन के परिचय-III (बिल्म 15)

जिन की निर्देशन के एक महत्वपूर्ण विषय ब्रह्मांडी, रामांडी या नेत्रि जो परिवर्तित है के नाम, वह विवरण द्वारा संरक्षित है।

प्रथम देश विद्यालयी, भूमिका नित्य, विद्या प्राप्त हुई।

प्रणेता पीटर ई.ज.

नियमन विशेष एक विषय के लिए है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है ताकि उपरोक्त तथ्य पूर्व है
MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT
(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st June 1988

G.S.R. 667(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 124, read with sub-section (i) of Section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Calcutta Port Trust Non-Contributory Provident Fund Regulations, 1988 made by the Board of Trustees for the Port of Calcutta and set out in the Schedule annexed to this notification.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the Official Gazette.

YOGENDRA NARAIN, Jr. Secy
(F. No. PR-12016/13/86-PE.I)

SCHEDULE
CALCUTTA PORT TRUST
Non-Contributory Provident Fund Regulations

CHAPTER-I—PRELIMINARY

Preliminary

In exercise of the powers conferred by Clause (b) of Section 28 read with Section 124 of the Major Port Trusts Act, 1963 (Act 38 of 1963) and in supersession of all previous Rules, Regulations, Bye-laws framed in this respect except things done or omitted to be done under the said rules, regulations or bye-laws before such supersession, the Board of Trustees of the Port of Calcutta hereby makes the following regulations, namely :

Regulation—1 : Short Title and Commencement.

(i) These Regulations may be called the Calcutta Port Trust Non-contributory Provident Fund Regulations, 1988.

(ii) These Regulations shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

Regulation—2 : Extent of Application.

These Regulations shall apply to all the employees of the Board of Trustees for the Port of Calcutta (including Haldia Dock Complex) who are members of Non-contributory Provident Fund or who may be admitted to membership of the Fund under the provisions of these Regulations.

Regulation—3 : Definitions.

In these Regulations, unless the context otherwise requires :

(a) 'TRUSTEES' shall mean a Board of three Trustees consisting of the Chairman, Deputy Chairman and Financial Adviser and Chief Accounts Officer of the Calcutta Port Trust, ex-officio, who shall be responsible to the Calcutta Port Trust for the conduct of the Fund in accordance with the Regulations hereinafter laid down.

(b) 'Chairman' shall mean the Chairman for the time being of the Calcutta Port Trust.
CHAPTER II—Management, Accounts and Investments

Regulation 4 : Control and Management

The Fund shall be controlled on behalf of its members by a Board of three Trustees consisting of the Chairman, the Deputy Chairman, and the Financial Adviser & Chief Accounts Officer of the Calcutta Port Trust, ex-officio, who shall be responsible to the Calcutta Port Trust for the conduct of the Fund in accordance with the regulations hereinafter laid down.

The Fund shall be managed by the Senior Accounts Officer who shall conduct its affairs subject to the control of the Trustees of the Fund.

Regulation 5 : Operation of the Fund

The Accounts of the Fund shall be kept entirely separate from those of the Calcutta Port Trust. All receipts of the Fund shall be paid into a separate account at the State Bank of India. This separate account shall be operated over the joint signatures of the Chairman or the Deputy Chairman and the Financial Adviser & Chief Accounts Officer. The expenses of management shall be borne by the Calcutta Port Trust.

Regulation 6 : Investment

All money not immediately required for the purpose of the Fund shall, from time to time be invested by the Trustees of the Fund in the Promissory Notes of Debentures, Stock or other securities of the Central Government or any State Government or the Debentures or other securities for money issued, under the authority of any Act of Legislature established in India, by or on behalf of any municipal body, Port Trust or City Improvement Trust in any Presidency town or in debentures bonds or other securities, both the principal thereof and the interest thereon shall have been fully and unconditionally guaranteed by either the Central or State Governments or in fixed deposits with the State Bank of India and its subsidiaries and or with other nationalized bank and the restrictions contained in Section 20A of the Indian Trusts Act, 1982 (II of 1982) shall not apply to any such investments. The securities purchased and the fixed deposits made by the Trustees of the Fund shall be held in the name of the Fund and such securities may be sold or the fixed deposits may be realised from time to time under the joint signatures of the Chairman or Deputy Chairman and the Financial Adviser and Chief Accounts Officer in order to raise such sum as may be required for the purpose of the Fund.

Regulation 7 : Annual Audit and Accounts

The Accounts of the Fund in which the value of all securities held shall be assessed at the market values ruling on the 31st December of each year, shall be closed as at 31st December in each year and audited annually by the Comptroller and Auditor General of India or such person as may be appointed by him in his behalf.
Regulation—8: Annual Report

An annual report accompanied by the Certified accounts for the year shall be made by the Senior Accounts Officer as soon after the year as possible and shall be submitted to the Board of Trustees of the Calcutta Port and each subscriber shall be furnished as soon as possible with an annual statement of his/her account.

Regulation—9: Calcutta Port Trust’s liability to the Fund

The Calcutta Port Trust will accept liability for any deficiency found in the Fund at the time of the yearly audit whether from depreciation of securities or other causes or causes and will pay the amount of the deficiency or any portion of that amount on, and in accordance with the demand of the Trustees of the Fund if the Trustees of the Fund consider the payment of a part or the whole amount is advisable either to meet claims payable under the regulations of the Fund or for the security of the subscribers.

CHAPTER—III

MEMBERSHIP & NOMINATIONS

Regulation—11(a): Membership—Conditions Membership

Membership shall be compulsory for:

(i) Any permanent employee (other than those recruited as piece-rated ‘A’ category workers and employees of Calcutta Dock Labour Board as referred to in Clause (C) of Regulation 12 of Calcutta Port Trust Provident Fund Regulation) who joined the Calcutta Port Trust’s service on or after 1st June 1982.

(ii) All temporary employees who joined the Calcutta Port Trust’s service on or after 1st June, 1962 (other than piece-rated ‘A’ Category workers, employees of Calcutta Dock Labour Board as referred to in Clause (C) of Regulation 12 of Calcutta Port Trust Provident Fund Regulation and reemployed retired employees) after a continuous service of one year.

(iii) ‘A’ Category workers who joined the Calcutta Port Trust’s service on or after 1st July, 1966.

Regulation—11(b): Membership—Conditions Membership

All permanent employees (other than piece-rated ‘A’ Category workers) in service on 31st May, 1962, if they opt for the Pension scheme, shall join the Fund. All temporary employees in service on 31st May, 1962, if they opt for the pension scheme shall join the Fund after a continuous service of one year.

Regulation—11(c): Membership—Conditions Membership

A nomination in writing and registered as aforesaid can only be revoked when a complete cancellation in Form II annexed hereto as Appendix II, has been made by the hand of the subscriber and attested by two witnesses duly registered in the office of the Senior Accounts Officer. The subscriber may at the same time, make a fresh nomination or nominations in accordance with the procedure stated in sub-Regulation (b) above.

Regulation—11(d): Nomination—Conditions

Every subscriber shall be permitted to nominate a dependant or dependents and if he/she has no dependant or dependents within the meaning of Regulation 3(g) above, any person to receive the whole or any portion of the total amount standing to his/her credit in the Fund if he/she dies while in service or if he/she dies after retirement but before payment is made.

Provided that the nomination already made by the subscriber in the Calcutta Port Trust’s Provident Fund to which he/she was subscribing before joining the Fund shall, if the amount to his/her credit in such Fund has been transferred to his/her credit in the Fund be deemed to be nomination duly made under this regulation until he/she makes a fresh nomination in accordance with this Regulation.

Provided further that the nomination made by a subscriber of any person other than a dependant shall be treated as null and void if the subscriber acquires any dependant subsequently by marriage and even if he/she does not cancel the aforesaid nomination in accordance with Regulation 11(c).

Regulation—11(e): Nomination—Conditions

A nomination in writing and registered as aforesaid can only be revoked when a complete cancellation in Form II annexed hereto as Appendix II, has been made by the hand of the subscriber and attested by two witnesses duly registered in the office of the Senior Accounts Officer. The subscriber may at the same time, make a fresh nomination or nominations in accordance with the procedure stated in sub-Regulation (b) above.

Regulation—11(f): Nomination—Conditions

Payment made to a nominee registered as aforesaid shall be a full discharge to the Trustees of the Fund provided that before the death of a subscriber the existing nomination has not been cancelled and a fresh nomination received by the Senior Accounts Officer for registration.

Regulation—11(g): Nomination—Conditions

Marriage or re-marriage of a subscriber who is not a Hindu, Muslim, Buddhist or other person exempted from the operation of the Indian Succession Act any nomination already submitted by him/her.

---

[Footnotes: 10(b), 11(b), 11(c), 11(d), 11(e), 11(f), 11(g) continue]
CHAPTER IV
SUBSCRIPTIONS & INTEREST

Regulation—12(a) : Compulsory Subscription

A subscriber shall subscribe to the Fund in accordance to these Regulations, except during the period when he/she is under suspension or the period of re-employment after final retirement from the Calcutta Port Trust's service.

Provided that a person re-employed during leave preparatory to retirement shall continue to subscribe to the Fund for the period up to which he/she would have retained on leave preparatory to retirement but for re-employment.

12(b) :

The amount of subscription shall be fixed by the subscriber himself/herself subject to the following conditions namely:

(i) It shall be expressed in whole rupees.
(ii) It may be any sum, so expressed, not less than 8 1/3 per cent of his/her pay but not more than his/her full pay.
(iii) The amount of subscription, subject to the above conditions, may be enhanced or reduced once at any time during the course of a year on giving one month’s notice to the Senior Accounts Officer.

Regulation—13(a) : Subscription during leave, deputation or suspension

The subscription of any subscriber when he/she is absent either on leave of any kind except post-superannuation or refused leave or on deputation shall be assessed on his/her full average pay as the case may be. A subscriber may, however, at his/her option not subscribe during any period of leave, other than leave on average pay or earned leave of less than one month’s or 30 days duration as the case may be.

Provided that when a subscriber is transferred to foreign service or sent on deputation, he/she shall remain subject to the regulations of the Fund in the same manner as if he/she were not so transferred or sent on deputation.

Provided further that the subscriber must intimate his/her election not to subscribe during leave at the time of submitting leave application. Failure to make due and timely intimation shall be deemed to constitute an election to subscribe.

13(b) :

A subscriber shall not subscribe to the Fund during a period of suspension.

Provided that a subscriber on re-instatement after a period passed under suspension shall be allowed the option of paying in one sum, or in instalments, any sum not exceeding the maximum amount of arrear of subscription permissible for that period.

Note : A subscriber need not subscribe during a period treated as ‘dies-non’.

Regulation—14 : Interest

The Calcutta Port Trust shall credit interest to a subscriber’s account as at 31st December, each year, at such rate as the Calcutta Port Trust may from time to time decide by a resolution in meeting calculated on the monthly balance at the credit of each subscriber compounded yearly.

CHAPTER V—ADVANCES & WITHDRAWALS

Regulation—15 : Advances to Subscribers

The Senior Accounts Officer may, with the approval of the Financial Adviser & Chief Accounts Officer, grant advances to subscribers out of the Fund for any of the following purposes:

On Higher Educational grounds

(i) Upto a maximum of Rs. 10,000 but not exceeding 1/3rd of the sum at credit represented by the subscriber's subscriptions or six months' pay whichever is less to pay for the passage at credit represented by the subscriber's subscriptions or six months' pay whichever is less to pay for the passage of the subscriber or his/her family or to meet the cost of higher education including where necessary the travelling expenses of the subscriber or any member of his/her family in the following cases, namely—

(a) for education outside India, for an academic, technical, professional or vocational course beyond the high school stage;
(b) for any medical, engineering or other technical or specialised course in India beyond the high school stage provided that the course of study is for not less than 3 years.

(ii) Upto a maximum of Rs. 5,000 but not exceeding 1/3rd of the sum at credit represented by the subscriber's subscriptions or six months' pay whichever is less—

(a) to pay the expenses of himself/herself or any member of h isher family proceeding to Hill stations in India or on a travel abroad on medical certificate;
(b) to pay expenses incurred in connection with duly certified illness of himself/herself or any member of his/her family;
(c) to pay obligatory expenses which pay customary usage the subscriber has to incur in connection with funerals and other ceremonies.

(iii) Upto a maximum of Rs. 15,000 but not exceeding 1/2 the sum at credit represented by the subscriber's subscriptions or six months' pay whichever is less to pay the expenses in connection with the
marriage of the subscriber or daughter or son or dependant sister on condition that it for any reason the marriage does not take place within a month from the date of advance. the amount so advanced shall be refunded in full.

(iv) When an advance has already been granted to a subscriber under this Regulation, a subsequent advance may be granted to him/her under this Regulation even though the previous advance may not have been repaid in full. Provided, however, that the unpaid balance of the previous advance shall be deducted from the advance subsequently granted.

Regulation—16 : Recovery of Advances

An advance made under Regulation 15(i) or 15(ii) hereof shall be recovered by not more than 48 equal monthly instalments and an advance made under Regulation 15(iii) hereof shall be recovered by not more than 48 equal monthly instalments by deduction from the salary of the subscriber to whom it is made.

Recovery of advance granted to a subscriber under Regulations 15(i), (ii), or (iii) shall not be made, except with the subscriber's written consent while he/she is in receipt of subsistence allowance.

Regulation—17 : Wrongful use of Advance

Notwithstanding anything contained in these Regulations, if the sanctioning authority has reason to doubt that money drawn as an advance from the Fund under Regulation 15 has been utilised for a purpose other than that for which sanction was given in the drawal of the money, he shall communicate to the subscriber the reasons for his doubt and require him/her to explain in writing and within 15 days of receipt of such communication whether the advance has been utilised for the purpose for which sanction was given to the drawal of the money. If the sanctioning authority is not satisfied with the explanation furnished by the subscriber within the said period of 15 days, the sanctioning authority shall direct the subscriber to repay the amount in question to the Fund forthwith or, in default, order that the amount be recovered by the deduction in one sum from the emoluments of the subscriber even if he/she is on leave. If the total amount to be repaid be more than half the subscriber's emoluments, recoveries shall be made in monthly instalments until the entire amount is repaid by him/her.

Note : The term 'emoluments' in the Regulation does not include subsistence allowance.

Regulation—18 : House Building withdrawal—Non-refundable

(A) Subject to the sanction of the Chairman or Deputy Chairman, withdrawals may be granted at any time after the completion of 20 years' service of a subscriber or within 10 years before the date of his/her retirement on superannuation, whichever is earlier. The amount withdrawn shall be credited to the Fund on the 31st December of the year preceding the date of application for one or more of the following purposes—

(i) meet the actual cost of building or acquiring a suitable dwelling house for his/her own use, including the cost of house site or already-built flat for his/her own use, provided he/she does not already own a house;

(ii) repay an outstanding amount on account of loan expressly taken for building or acquiring a suitable house including the cost of house site or a ready-built flat for his/her own use;

(iii) meet expenses for reconstructing or making additions or alterations to a house or a flat already owned or acquired by a subscriber;

(iv) meet expenses for renovating, additions or alterations or upkeep of an ancestral house at a place other than the place of duty.

(B) Upto a maximum of 6 months' pay or 50 per cent of such credit whichever is less to—

(i) Purchase a house site for building a house thereon for his/her residence;

(ii) Repay any outstanding amount on account of loan expressly taken for the purpose stated in (i) above;

(iii) Construct a house on a site purchased under item (i) above.

(B) The purchase of a house site should be completed within 3 months from the date of withdrawal. Construction of the house should be commenced within 6 months from the date of withdrawal and should be completed within a period of 1 (one) year from the date of commencement of construction. If, however, the house is to be purchased or redeemed or a private loan previously raised for the purpose has to be repaid, this should be done within three months from the date of withdrawal. The Chairman or Deputy Chairman may for sufficient reasons grant such extension of time for commencement or completion of construction of a house or for the purchase or redemption of a house or for repayment of a private loan previously raised for the purpose as they think fit and proper.

If as mentioned above the amount withdrawn is not so utilized within the prescribed period or if it exceeds the actual expenditure or repayment as aforesaid, the whole amount or any excess, as the case may be, shall be refunded to the Subscriber. The Account Officer, forthwith in one lump sum together with interest thereon at the rate provided in Regulation 14. The actual expenditure incurred in connection with the stamp, registration etc., of the deeds of conveyance, reconveyance etc., relating to the transactions may be reckoned as part of the cost of house site and/or house. The subscriber shall submit an annual declaration in the form prescribed for the purpose on or before the 31st December in each year and satisfy the Chairman or the Deputy Chairman, if called upon to do so.
a subscriber to the Provident Fund, without break of service, if he/she so desires, can have the amount standing to his/her credit, at the date of joining, in the said Provident Fund transferred to this Fund.

CHAPTER—VII

Regulation—23: Payments for assurance in Life Insurance Corporation of India

Payments for assurance in Life Insurance

The amount of subscriptions with interest thereon standing to the credit of a subscriber in the Fund may be applied, either partially or wholly, for the purpose of payments of premia on a policy of assurance in the Life Insurance Corporation of India, subject to the following conditions:

1. The Policy of Assurance (e.g., Endowment Policy) held by a subscriber with the Life Insurance Corporation of India on his/her own life after the 1st premium or the premium due before assignment, as the case may be, being paid by him/her be accepted by the Senior Accounts Officer on a written undertaking in a printed form made for the purpose if the subscriber desires to assign it to the Trustees.

2. On receipt of the policy from the subscriber through the concerned department along with the required documents (viz. Policy Bond, Letters of Authorization, Form of assignment and the first premium Receipt), if the premium is paid by the policy holder more than one and the subscriber’s agreement to comply with the conditions as laid down in the printed form necessary arrangement shall be made to forward the Policy Bond and the Form of Assignment to the Life Insurance Corporation of India for registration of assignment duly noted in the office registers maintained by the Provident Fund Section. The Policy Bond received back from the Life Insurance Corporation of India shall be kept under the safe custody of the office of the Senior Accounts Officer.

3. The mode of payment of premium of the policy if paid periodically by the subscriber shall be required to be converted by him/her into annual basis before the same is assigned to the Trustees. The assigned policy cannot be hypothecated in any manner to the Life Insurance Corporation of India.

4. The premium of the policy of Assurance assigned by the subscriber shall be paid by the Senior Accounts Officer on behalf of the subscriber annually by debiting his/her subscriptions account and the premium so paid shall be recovered from his/her pay in twelve equal monthly installments and credited to his/her subscriptions account in a specific column provided for the purpose. The department concerned will, however, be advised to reduce the amount from the subscriber’s monthly salary bill regularly.
(5) In the event of the subscriber taking leave without pay, the premium payable to the Life Insurance Corporation of India shall be paid from the balance standing at credit of the subscriber's account and the premium so paid shall be recovered from his/her pay on his/her resumption of duties. If the credit balance in the Fund is less than that of premium payable to the Life Insurance Corporation of India, the payment of premium will be suspended until intimation to the Life Insurance Corporation of India.

(6) In the event of a policy maturing while the subscriber is still in service, the maturity value realised from the Life Insurance Corporation of India shall be credited to the subscriber's account and he/she shall be entitled to receive the same. If a policy under the old scheme of payment of premium which was to be financed out of the subscriber's account is subsequently converted into salary deduction scheme matures, the maturity value realised from the Life Insurance Corporation of India shall be refunded to the subscriber after deducting the premia paid from his/her subscription account.

(7) If a subscriber desires to withdraw his/her policy of assurance from the custody of the Trustees before his/her retirement, the Senior Accounts Officer may allow him/her to do so and the Policy Bond may be made over to him/her duly re-assigned with proper intimation to the Life Insurance Corporation of India. He/she must repay the balance amount of that premium, if any, to the Fund.

(8) If a subscriber rejects before the policy as matured the policy of assurance shall forthwith be re-assigned and made over to him/her.

(9) If it appears at the time of the policy of assurance being matured that the same has not been duly assigned in favour of the Trustees or the registration of assignment was not duly complied with by the Life Insurance Corporation of India, the Senior Accounts Officer will not take the responsibility of realising the maturity value from the Life Insurance Corporation of India and the subscriber will immediately be informed to receive back the policy Bond from the custody of the Trustees.

(10) If a subscriber dies while in service, the amount of premium payable under any policy which has been assigned by him/her to the Trustees will be stepped forthwith under intimation to the Life Insurance Corporation of India. The death claim proceeds on insurance policies shall be realised from the Life Insurance Corporation of India by the Trustees in case of policies duly assigned and shall be credited to the unclaimed balance account for disposal of the same to the legal heirs of the Provident Fund dues of the deceased subscriber. But in case of non-assigned policies, the policy Bond will, however, be sent to the Life Insurance Corporation of India with due intimation to the legal heirs of the deceased subscriber to contact the Life Insurance Corporation of India so as to enable him/her to realise the death claim proceeds direct from the Life Insurance Corporation of India.

(11) Notwithstanding anything contained in the above Sub-regulations, the policies already assigned to the Trustees under the old scheme, payment of premium of which was to be financed out of the subscriber's account shall continue.

CHAPTER VIII. Settlement of Provident Fund Dues.

Regulation—24: Payment to subscribers on Leaving Service:

A subscriber's accumulation in the Fund including interest shall be paid as soon as possible after his retirement, quitting service or death. Interest shall be credited to his/her account up to the end of the calendar month prior to the date of tender of payment.

Provided that in case of delays caused by the circumstances beyond the control of the subscriber or administrative delays in making the settlement, interest shall continue to be credited to his/her account up to the end of 1 (one) year after the month in which such amount becomes payable.

Regulation—25: Payment of Subscribers' Dues:

When a subscriber's accumulation in the Fund has become payable in accordance with Regulation 24, the Senior Accounts Officer shall dispose of the amount as follows:

Payment of subscriber's dues:

(1) Pay to the subscriber:

(2) Pay, if the subscriber is dead, to the person or persons entitled to receive payment in the following manner:

(a) If a valid nomination under Regulation 11 of this subrule, the amount of the part thereof to which the nomination relates shall be paid to the nominee or to person as may be authorised by law to receive payment on his/her behalf.

(b) If no valid nomination subsists or if the nomination relates only to a part of the amount, provided the whole amount or the part thereof to which the nomination does not relate, does not exceed Rs. 5,000 and provided notice of the existence of a will disposing of such amount is given to the senior accounts officer in the prescribed manner, then the balance may be disposed of in the manner laid down in Regulation 24.
Office, within one month of the death of the member if such notice be given but such will is not probated within six months from the death of the member, such amount shall be paid in terms of Section 4(1) of the Provident Funds Act, 1925 (XXIX of 1925) to any person appearing to the Chairman or the Deputy Chairman to be entitled to receive it.

(c) If the amount is not payable to any person under Clause (i) or (ii) above, it shall be paid to a person producing Probat or letters of Administration proving the grant to him of Administration to the estate of the deceased subscriber or a Certificate granted under Indian Succession Act 1925 (XXIX of 1925), in terms of Section 4(1) (c)(ii) of the Provident Funds Act, 1925.

Regulation 26: Payment to Minors

Payments on behalf of minor children shall be made to their guardian appointed under the Guardians and Ward Act, 1890 (VIII of 1890) or to other person authorized by law. Provided that payment on behalf of Hindu minors may be made to the mother and on behalf of Mohammedan minors to the paternal grandfather without production of guardianship certificate.

Regulation 27: Payment to Lunatics

If a subscriber or person to whom under these Regulations a payment has to be made or a policy to be reassigned, is a lunatic, payment or reassignment shall be made to the Manager appointed under the Indian Lunacy Act, 1912 (IV of 1912) or to other person authorised by Law.

Regulation 28: Immunity From Attachment.

Subject to the provisions of Section 3 of the Provident Fund Act, 1925 (XXIX of 1925), neither a subscriber nor any person on his behalf in respect of his interest in the Fund shall, save as expressly provided by these Regulations, be entitled to claim or demand payment of any money standing in the name of the subscriber in the books of the Fund.

Regulation 29: Payment on Leave Preparatory to Retirement and Post-Superannuation Leave

Leave Preparatory to Retirement and Post-Superannuation Leave

In case of leave granted preparatory to retirement, a subscriber may be permitted, at the discretion of the Chairman or the Deputy Chairman, to withdraw upto 90 per cent of the accumulated balance standing to his/her credit in the Fund or part thereof as on 31st December of the year immediately preceding the year in which the subscriber proceeded on leave preparatory to retirement on submission of an application to the Senior Accounts Officer, such permission being subject to the condition that if in any exceptional case the subscriber does not eventually retire, the full amount shall be refunded as a condition of continued employment. A payment made under this Regulation will not affect the subscriber's eligibility to continue subscription during such leave and to interest on the balance.

In case the subscriber has been granted post-superannuation leave he/she may be permitted, at the discretion of the Chairman or the Deputy Chairman, to withdraw upto 50 per cent of the balance standing to his/her credit in the Fund on or after thereof as on 31st December of the year immediately preceding the year in which the subscriber has been granted post-superannuation leave, on submission of an application to the Senior Accounts Officer. However, the subscriber is occupying Calcutta Port Trust's quarters, such withdrawal shall be restricted to fifty per cent of the aforementioned credit.

CHAPTER IX—MISCELLANEOUS

Regulation 30: Interpretation of Regulations

Interpretation of Rules

The decision of the Chairman, Calcutta Port Trust on all questions arising out of these Regulations shall be final.

Regulation 31:

Repeal and Saving

(1) On the commencement of these regulations, Calcutta Port Trust Non-contributory Provident Fund Rules or order in force immediately before such commencement shall in so far as it provides for any of the matters contained in these Regulations, cease to operate.

(2) Any case which relates to the settlement of Provident Fund dues of a subscriber who had retired before the commencement of these Regulations shall be disposed of in accordance with the provisions of the old rule as if these rules had not been made.

(3) Subject to the provision of Sub-regulation (2), anything done or any action taken under the old rule shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of these Regulations.

APPENDIX I

OF

CALCUTTA PORT TRUST

NON-CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND

REGULATIONS

(VIDE REGULATION 18)

Procedure to be followed in connection with the withdrawal of P.F. money for House Building purpose

Withdrawal may be for the following purposes:

I. Purchase of land including cost of building of a house thereon.

II. Acquiring of a suitable ready built house or a flat.
III. Repayment of a loan taken for acquiring a house or flat.

IV. Expenditure for reconstructing or making additions or alterations of subscriber's own house or flat or his/her ancestral house.

Before sanctioning the withdrawals under the above items, the Calcutta Port Trust should insist upon the subscriber signing and affirming before the Presidency Magistrate, Calcutta the enclosed declaration and fulfilling the following obligations.

(A) Re: Item I

(a) He/she should satisfy the Calcutta Port Trust that the amount is actually required for purchasing the property and that he/she possesses or intends to acquire forthwith the right to build on the site on which the house is proposed to be built.

(b) He/she should satisfy the Calcutta Port Trust that the amount withdrawn together with such other private savings as the subscriber may have will be sufficient to complete the property of the type proposed.

(c) He/she should satisfy the Calcutta Port Trust by production of original title deeds or otherwise as may be directed by the Calcutta Port Trust that he/she will acquire marketable unencumbered and undisputed title to the property proposed to be purchased.

(d) He/she should produce for the Calcutta Port Trust's inspection the agreement of sale (Banyapatra) within a week from the grant of the loan and the deed of conveyance within a fortnight from completion of purchase (production of conveyance will be possible only after the property has been purchased with the loan sanctioned by the Calcutta Port Trust).

(e) He/she should produce the sanctioned plans of the proposed building and permits from the local authority (where necessary) for purchase of building materials to the extent required at controlled rates.

(f) He/she should bear all costs and expenses whatsoever that Calcutta Port Trust may have to incur or be put to in this connection.

(B) Re: Item II

As in (a), (b), (c), (d), and (f) of A above.

(C) Re: Item III

He/she should satisfy the Calcutta Port Trust by production of documents and papers that there is a genuine subsisting loan expressly taken for the purpose of building or acquiring a house/flat for his/her own use.

**CALCUTTA PORT TRUST**

**NON-CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND**

**NOMINATION FORM [VIDE Regulation 11(1)(b)]**

**FORM-I**

<table>
<thead>
<tr>
<th>NAME</th>
<th>DESIGNATION</th>
<th>P.F. A/c No.</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

I, hereby declare that in the event of my death, the amount standing at my credit in the Non-contributory Provident Fund of the Calcutta Port Trust shall be distributed among my dependants mentioned below in the manner shown against their names.

<table>
<thead>
<tr>
<th>NAMES OF THE NOMINEES</th>
<th>ADDRESS OF THE NOMINEES</th>
<th>RELATIONSHIP WITH THE SUBSCRIBER</th>
<th>AGE OF NOMINEE</th>
<th>ON DATE OF NOMINATION</th>
<th>AMOUNT OR SHARE OF ACCUMULATION</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

PLACE .

DATE .

**SIGNATURE OF THE SUBSCRIBER**

(1) NAME: _______ ADDRESS: _______ OCCUPATION: _______ SIGNATURE: _______

(2) NAME: _______ ADDRESS: _______ OCCUPATION: _______ SIGNATURE: _______

Note: A nomination is not valid if the nominee is not "dependant" as defined in Regulation 1(e), namely the in case of a male subscriber or the wife, parent, child, minor, brother, uncles and nieces, deceased son's widows and where no parent of the subscriber is alive, a paternal grandparent and in the case of a (2) female subscriber, the husband, child deceased, the deceased son's widow, and child, her dependent parents, and parents of her husbands.
APPENDIX-II
CALCUTTA PORT TRUST
NON-CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND
FORM II (vide Regulation 14(C))
FORM OF NOTICE CHANGING A
NOMINATION

NAME—

DESIGNATION—

PROVIDENT FUND A.C No.—

I hereby cancel the declaration made by me in favour of—

as regards the disposal, in the event of my death, of the amount standing at my credit in the Calcutta Port Trust Non-Contributory Provident Fund.

As witness my hand this—day of—

one thousand nine hundred and

Signature

Witness

Address—

Occupation—

Signature

Witness

Address—

Occupation

The Senior Accounts Officer,
Provident Funds,

Forwarded for necessary action.

Signature

Date—

Designation—

Office Seal

APPENDIX-III of the Non-Contributory Provident Fund Regulation (vide Regulation-19)

Declaration for obtaining Non-refundable marriage withdrawal

1. Name of daughter or sister (bride) or son (bridegroom)—

2. Name of other daughters, sisters and sons yet to be given in marriage—

3. Name, father's name and address of the proposed bridegroom—

4. Tentative date and place of marriage—

5. Whether the above named sister is wholly dependent on him/her—

I declare that if for any reason the marriage does not take place within a month from the date of withdrawal, or such other extended period as may be allowed by the sanctioning authority, the amount so advanced shall be refunded by me in full.

I further declare that the above statements of mine are true and in the event of any of the statements being proved as false, I shall be held liable for disciplinary action.

Signature or I.T.I. of the
Applicant P.F. A.C. No.—

In cases of members who will put I.T.I. or sign in language other than English.

Read over and explained to the applicant.

Signature & Designation

Head of Section

Certificate to be submitted by any one of the following—

It is certified by me that Shri—
of address—

and the above father and daughter/brother and sister

Signature

M.L.A. [Gazetted Officer]
Commissioner of a Municipality
Head Master of a HS School
President of Village Panchayat.
APPENDIX-IV

FORM OF ASSIGNMENT OF POLICY TO BE PASSED ON THE POLICY
(Vide Regulation No. 23)

POLICY NO.

I, ____________________________, do hereby under Regulation 23(i) of the Calcutta Port Trust's Non-Contributory Provident Fund, assign all my right, title and interest in the Policy No. ____________________________, under the Life Insurance Corporation of India to Calcutta Port Trust to enable them to collect at maturity the amount on the said Policy with accrued profits which is to be held in trust of myself in the Calcutta Port Trust's Non-Contributory Provident Fund. In the event of my death prior to retirement, I desire the amount to be paid to my Nominee in the Non-contributory Provident Fund or in the event of Nominee's death before payment, to the executors of my Will or to my legal heirs in the event of my death intestate. In the event of my leaving service the Policy is to be re-assigned and made over to me on demand.

Dated, at ____________________________, day of ____________________________, 19__

Witness:

______________________________  ________________________________
(Signature)

______________________________
N.C.P.F. A/c. No.
भारत का संज्ञान
The Gazette of India

EXTRAORDINARY
भाग II—खंड 3—या खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)
प्रकाशित से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

म. 496 ]
NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 25, 2000/ASVINA 3, 1922
No. 496]

जल-भूतल परिवहन संबंध

(पतन वक)

अधिकृत

।। दिल्ली, 25 सितंबर, 2000

सा, प्रा, नि. 749(ए)—मंद-सरकार, महाराष्ट्र मम अधिनियम, 1963 (1963 का अंक) की भाषा 132 की उम्मीद (1) के साथ प्रतिवाद भाग 124 की उम्मीद (1) प्रति प्रदत्त संस्करणों का प्रस्ताव बनाया है। यह भाषा मंड़ियों द्वारा किया गया है और इस अधिनियम के साथ संबंधित अनुसूचियों में कलकत्ता पतन नर्म के (गैर-आशावादी भविष्य निधि) प्रशासन संबंधित प्रतिवेदन, 2000 का अनुकूलन किया गया है।

2. यह विनिमय इस अधिनियम के संस्करण रक्षण में प्रकट की शरीकत को पूर्ण होगी।

अनुसूची
कलकत्ता पतन नर्म के (गैर-आशावादी भविष्य निधि) प्रशासन संबंधित प्रतिवेदन, 2000

महाराष्ट्र नागरिकता अधिनियम, 1963 की भाषा 28 वाद दली अधिनियम को भाषा 124 की भाषा 1 के अंतर्गत केंद्र सरकार की स्वीकृति में कलकत्ता पतन का स्वार्थी मंडल इत्यादि कलकत्ता पतन नर्म के (गैर-आशावादी भविष्य निधि) विनिमय 1988 के संदर्भ के लिए लिखितविहीन प्रविधि के लिए है।

1. संज्ञान नाम

कलकत्ता पतन भविष्य विनिमय (गैर-आशावादी भविष्य निधि) प्रशासन संबंधित प्रतिवेदन, 2000 के नाम से जाना जा सकता है।

2. कलकत्ता पतन नर्म के (गैर-आशावादी भविष्य निधि विनिमय), 1988 के अंतर्गत—

(अ) प्रतिवेदन 15 का विनिमय निधि प्रकट से होगा :

(ब) प्रतिवेदन 15 : आशावादियों की अंतिम
(क) अंग्रेज़ी तथा उसके पर्यायार्थ अन्य भाषाओं पर ध्यान प्रदान करके अधिकारियों को उल्लेखित सूची पर ध्यान दिशा के रूप में विशेष व्यवस्था की जाती है।

(ख) अंग्रेज़ी तथा उसके व्यापक सूचीकरण पर ध्यान प्रदान करके अधिकारियों को उल्लेखित सूची पर ध्यान दिशा के रूप में सूची पाठ रूप में दावेदारों के लिए विशेष व्यवस्था की जाती है।

(ग) अंग्रेज़ी तथा उसके पर्यायार्थ अन्य भाषाओं पर ध्यान प्रदान करके अधिकारियों को उल्लेखित सूची पर ध्यान दिशा के रूप में विशेष व्यवस्था की जाती है।

(घ) अंग्रेज़ी तथा उसके पर्यायार्थ अन्य भाषाओं पर ध्यान प्रदान करके अधिकारियों को उल्लेखित सूची पर ध्यान दिशा के रूप में विशेष व्यवस्था की जाती है।

(ङ) अंग्रेज़ी तथा उसके पर्यायार्थ अन्य भाषाओं पर ध्यान प्रदान करके अधिकारियों को उल्लेखित सूची पर ध्यान दिशा के रूप में विशेष व्यवस्था की जाती है।

(च) अंग्रेज़ी तथा उसके पर्यायार्थ अन्य भाषाओं पर ध्यान प्रदान करके अधिकारियों को उल्लेखित सूची पर ध्यान दिशा के रूप में विशेष व्यवस्था की जाती है।

(छ) अंग्रेज़ी तथा उसके पर्यायार्थ अन्य भाषाओं पर ध्यान प्रदान करके अधिकारियों को उल्लेखित सूची पर ध्यान दिशा के रूप में विशेष व्यवस्था की जाती है।
(ब) धनी, धर्मविशिष्ट/सच्चाई, कार्य, वसंत, हुमना, गर्भात्मक, अधिकारी, यात्री, बाली, गुरू आदि वहाँ चाहे वहाँ चाहे दर्जन के लिए:

(ख) अंतर्द्वार के गेट के लिए लक्ष्य रखने वाले लिपि में जना दिशा नियमहिनीयता प्रश्नों में ही एक अथवा अधिक के लिए दशा:

(ग) मानना या उद्देश्य के लिए नाम हिस्सा और उद्देश्य मानना का अवधि या जना दिशा फली लिए लाई वास्तव में निर्देशण को युद्ध को नियरीत,

(घ) अंतर् नाम मानना और फली लिए लाई वास्तव में निर्देशण को युद्ध को नियरीत,

(ङ) अंतर्द्वारा के नीचे नाम मानना और निर्देशण को युद्ध को निर्देशण को युद्ध को नियरीत,

(च) अंतर्द्वारा के नीचे नाम मानना और निर्देशण को युद्ध को निर्देशण को युद्ध को नियरीत,

(छ) अंतर्द्वारा के नीचे नाम मानना और निर्देशण को युद्ध को निर्देशण को युद्ध को नियरीत,

(ट) अंतर्द्वारा के नीचे नाम मानना और निर्देशण को युद्ध को निर्देशण को युद्ध को नियरीत,

(इ) अंतर्द्वारा के नीचे नाम मानना और निर्देशण को युद्ध को निर्देशण को युद्ध को नियरीत,

(ई) अंतर्द्वारा के नीचे नाम मानना और निर्देशण को युद्ध को निर्देशण को युद्ध को नियरीत,

(उ) अंतर्द्वारा के नीचे नाम मानना और निर्देशण को युद्ध को निर्देशण को युद्ध को नियरीत,

(ऊ) अंतर्द्वारा के नीचे नाम मानना और निर्देशण को युद्ध को निर्देशण को युद्ध को नियरीत,

(ऋ) अंतर्द्वारा के नीचे नाम मानना और निर्देशण को युद्ध को निर्देशण को युद्ध को नियरीत,

(ॠ) अंतर्द्वारा के नीचे नाम मानना और निर्देशण को युद्ध को निर्देशण को युद्ध को नियरीत,

(ऌ) अंतर्द्वारा के नीचे नाम मानना और निर्देशण को युद्ध को निर्देशण को युद्ध को नियरीत,

(ॡ) अंतर्द्वारा के नीचे नाम मानना और निर्देशण को युद्ध को निर्देशण को युद्ध को नियरीत,

(३) अंतर्द्वारा के नीचे नाम मानना और निर्देशण को युद्ध को निर्देशण को युद्ध को नियरीत,

(४) अंतर्द्वारा के नीचे नाम मानना और निर्देशण को युद्ध को निर्देशण को युद्ध को नियरीत,

(५) अंतर्द्वारा के नीचे नाम मानना और निर्देशण को युद्ध को निर्देशण को युद्ध को नियरीत,

(६) अंतर्द्वारा के नीचे नाम मानना और निर्देशण को युद्ध को निर्देशण को युद्ध को नियरीत,

(७) अंतर्द्वारा के नीचे नाम मानना और निर्देशण को युद्ध को निर्देशण को युद्ध को नियरीत,

(८) अंतर्द्वारा के नीचे नाम मानना और निर्देशण को युद्ध को निर्देशण को युद्ध को नियरीत,

(९) अंतर्द्वारा के नीचे नाम मानना और निर्देशण को युद्ध को निर्देशण को युद्ध को नियरीत,

(१०) अंतर्द्वारा के नीचे नाम मानना और निर्देशण को युद्ध को निर्देशण को युद्ध को नियरीत,

(११) अंतर्द्वारा के नीचे नाम मानना और निर्देशण को युद्ध को निर्देशण को युद्ध को नियरीत,

(१२) अंतर्द्वारा के नीचे नाम मानना और निर्देशण को युद्ध को निर्देशण को युद्ध को नियरीत,

(१३) अंतर्द्वारा के नीचे नाम मानना और निर्देशण को युद्ध को निर्देशण को युद्ध को नियरीत,

(१४) अंतर्द्वारा के नीचे नाम मानना और निर्देशण को युद्ध को निर्देशण को युद्ध को नियरीत,

(१५) अंतर्द्वारा के नीचे नाम मानना और निर्देशण को युद्ध को निर्देशण को युद्ध को नियरीत,

(१६) अंतर्द्वारा के नीचे नाम मानना और निर्देशण को युद्ध को निर्देशण को युद्ध को नियरीत,

(१७) अंतर्द्वारा के नीचे नाम मानना और निर्देशण को युद्ध को निर्देशण को युद्ध को नियरीत,

(१८) अंतर्द्वारा के नीचे नाम मानना और निर्देशण को युद्ध को निर्देशण को युद्ध को नियरीत,

(१९) अंतर्द्वारा के नीचे नाम मानना और निर्देशण को युद्ध को निर्देशण को युद्ध को नियरीत,

(२०) अंतर्द्वारा के नीचे नाम मानना और निर्देशण को युद्ध को निर्देशण को युद्ध को नियरीत,
G.S.R. 745(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (i) of Section 124, read with Sub-section (i) of Section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Calcutta Port Trust Employees (Non-Contributory Provident Fund) 1st Amendment Regulation, 2000 made by the Board of Trustees for the Port of Calcutta and set out in the Schedule annexed to this notification.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the Official Gazette.

SCHEDULE

Calcutta Port Trust Employees' (Non-Contributory Provident Fund) 1st Amendment Regulations, 2000

In exercise of the powers conferred by Section 28 of the Major Port Trusts Act, 1963 and with the sanction of Central Government under Section 1 of Section 124 of that Act, the Board of Trustees for the Port of Calcutta hereby makes the following

1. **Short title:**

   These regulations maybe called the Calcutta Port Trust Employees' (Non-contributory Provident Fund) 1st Amendment Regulations, 2000. This will come into force from the date of publication in the Official Gazette.

2. In the Calcutta Port Trust Employees' (Non-contributory Provident Fund Regulations), 1988:—

   a) Regulation 15 shall be substituted by the following:—

   **Regulation 15 : Advances to Subscribers.**

   The Senior Accounts Officer may, with the approval of Financial Adviser & Chief Accounts Officer grant advance to any subscriber a sum of whole rupees and not exceeding in amount three months' pay or half the amount standing to his credit in the Fund, whichever is less, for one or more of the following purposes:—

   (a) to pay expenses in connection with the illness, confinement or a disability, including, where necessary, the travelling expenses of the subscriber and members of his family or any person actually dependent on him;

   (b) to meet cost of higher education, including, where necessary, the travelling expenses of the subscriber and members of his family or any person actually dependent on him in the following cases, namely:—

   (i) for education outside India for academic, technical, professional or vocational course beyond the High School stage and

   (ii) for any medical, engineering or other technical or specialised course in India beyond the High School stage, provided that the course of study is for not less than three years;
(c) to pay obligatory expenses on a scale appropriate to the subscriber's status which by customary usage the subscriber has to incur in connection with betrothal or marriages, funerals or other ceremonies;

(d) to meet the cost of legal proceedings instituted by or against the subscriber, any member of his family or any person actually dependent upon him, the advance in this case being available in addition to any advance admissible for the same purpose from any other Government source.

(e) to meet the cost of the subscriber's defence where he engages a legal practitioner to defend himself in an enquiry in respect of any alleged official misconduct on his part.

(f) to purchase consumer durables such as TV, VCR/VCP, washing machines, cooking range, geyser, computers etc.

Note-1. For the purpose of this regulation pay includes dearness pay where admissible.

Note-2. In the case of a subscriber who applies for a temporary advance while he is under suspension and draws subsistence allowance instead of pay, the 'pay' for the purpose of this regulation shall be that which he drew immediately before he was placed under suspension.

Note-3. When an advance has already been granted to a subscriber under this regulation, a subsequent advance may be granted to him/her under this Regulation even though the previous advance may not have been repaid in full, provided, however, that the unpaid balance of the previous advance shall be deducted from the advance subsequently granted.
Note-4 The Chairman may, in special circumstances, sanction the payment to any subscriber of an advance if he is satisfied that the subscriber concerned requires the advance for reasons other than those mentioned under Regulation 15.

b) Regulation 18 shall be substituted by the following:

Regulation 18:

Non-refundable withdrawals.

Subject to the sanction of the Chairman or Deputy Chairman withdrawals may be granted to a subscriber at any time -

(A) After the completion of fifteen years of service (including broken periods of service, if any) of a subscriber or within ten years before the date of his retirement on superannuation, whichever is earlier, from the amount standing to his credit in the Fund, for one or more of the following purposes, namely -

(a) meeting the cost of higher education, including, where necessary, the travelling expenses of the subscriber or any child of the subscriber in the following cases, namely -

(i) for education outside India for academic, technical, professional or vocational course beyond the High School stage; and

(ii) for any medical, engineering or other technical or specialised course in India beyond the High School stage;

(b) meeting the expenditure in connection with the betrothal/marriage of the subscriber or his sons or his daughters, and any other female relation actually dependent on him;

(c) meeting the expenses in connection with the illness, including, where necessary, the travelling expenses of the subscriber and members of his family or any person actually dependent on him;

(d) meeting the cost of consumer durables such as TV, VCR/VCD, Washing Machines, Cooking Range, Geysers, Computers, etc.
(B) During the service of a subscriber from the amount standing to his credit in the Fund for one or more of the following purposes, namely—

(a) building or acquiring a suitable house or ready-built flat for his residence including the cost of the site or any payment towards allotment of a plot or flat by State Housing Board or a House Building Society;

(b) repaying an outstanding amount on account of loan expressly taken for building or acquiring a suitable house or ready-built flat for his residence;

(c) purchasing a house-site for building a house thereon for his residence or repaying any outstanding amount on account of loan expressly taken for this purpose;

(d) reconstructing or making additions or alterations to a house or a flat already owned or acquired by a subscriber;

(e) renovating, additions or alterations or upkeep of the ancestral house or a house built with the assistance or loan;

(f) constructing a house on a site purchased under Clause (C).

(C) Within twelve months before the date of subscriber's retirement or superannuation from the amount standing to the credit in the fund, without linking to any purpose.

Note-1 Withdrawal under sub-clause (a), (d), (e) or (f) of Clause (B) shall be sanctioned only after a subscriber has submitted a plan of the house to be constructed or of the additions or alterations to be made, duly approved by the local municipal body of the area where the site or house is situated and only in cases where the plan is actually got to be approved.

Note-2 The amount of withdrawal sanctioned under sub-clause (b) of Clause (B) shall not exceed 3/4th of the balance on date of application together with the amount of previous withdrawal under sub-clause (b), reduced by the amount of previous withdrawal. The formula to be followed is 3/4th of (the balance as on date plus amount
of previous withdrawal(s) for the house in question, minus the amount of the previous withdrawal(s).

Note-3
Withdrawal under sub-clause (a) or (d) of Clause (B) shall also be allowed where the house-site or house is in the name of wife or husband provided she or he is the first nominee to receive Provident Fund money in the nomination made by the subscriber.

Note-4
Only one withdrawal shall be allowed for the same purpose under this regulation. But marriage or education of different children or illness on different occasions or a further addition or alteration to a house or flat covered by a fresh plan duly approved by the local municipal body of the area where the house or flat is situated shall not be treated as the same purpose. Second or subsequent withdrawal under sub-clause (a) or (f) of Clause (B) for completion of the same house shall be allowed up to the limit laid down under Note-2.

Note-5
A withdrawal under this regulation shall not be sanctioned if an advance under Regulation 15 is being sanctioned for the same purpose and at the same time.

Conditions for Non-refundable withdrawal:

(I) Any sum withdrawn by a subscriber at any one time for one or more of the purposes specified in Regulation 18 shall not exceed 75% of the balance at his credit in the fund in case of withdrawals under Clause (A) and 90% of the balance at his credit in the fund in case of withdrawals under Clause (B) of Regulation 18.

(II) The withdrawal admissible under Regulation 18C shall not exceed 90% of the amount standing to the credit of the subscriber in the fund.

(III) A subscriber who has been permitted to withdraw money from the Fund under Regulation 18 shall satisfy the sanctioning authority within a period of 3 months in case of withdrawals under Clause (A) and 6 months in case of withdrawals under Clause (B) that the money has been utilised for the purpose for which it was withdrawn or the construction of the house has been commenced and if he fails
to do so the whole of the sum so withdrawn or so much thereof as has not been applied for the purpose for which it was withdrawn shall forthwith be repaid in one lump sum by the subscriber to the Fund and in default of such payment, the subscriber will be liable for disciplinary action.

A subscriber who has been permitted under sub-clause (a) or sub-clause (b) or sub-clause (c) of Clause (b) of Regulation 16 to withdraw money from the amount standing to his credit in the Fund, shall not part with the possession of the house built or acquired or house-site purchased with the money so withdrawn, whether by way of sale, mortgage (other than mortgage to the Calcutta Port Trust Authority), gift, exchange or otherwise, without the previous permission of the sanctioning Authority.

Provided that such permission shall not be necessary for-

(i) the house or house-site being leased for any terms not exceeding three years, or

(ii) its being mortgaged in favour of a Housing Board, Nationalised Banks, the Life Insurance Corporation or any other Corporation owned or controlled by the Central Government which advances loans for the construction of a new house or for making additions or alteration to an existing house.

(v) The subscriber shall submit a declaration not later than 31st day of December of every year as to whether the house or the house-site, as the case may be, continues to be in his possession or has been mortgaged otherwise transferred or let out as aforesaid and shall, if so required, produce before the sanctioning authority on or before the date specified by that authority in that behalf, the original sale, mortgage or lease deed and also the documents on which his title to the property is based.
(vi) If, at any time before his retirement, the subscriber parts with the possession of the house or house-site without obtaining the previous permission of the Sanctioning Authority, he shall forthwith repay the sum so withdrawn by him in a lumpsum to the Fund, and in default of such repayment, the subscriber shall be liable for disciplinary action. The detailed procedure for withdrawal under Regulation 18(B) is annexed as Appendix-I of Non-Contributory Provident Fund Regulation.

c) Regulation 19 shall be deleted.

[F No. PR-12016/5/98-PF]
K. V. RAO, Jt. Secy.

Note:- The Calcutta Port Trust Employees' (Non-contributory Provident Fund) Regulations, 1988 were sanctioned by the Central Government vide G.S.R. No. 567(E) dated 1st June, 1988 and published in the Gazette of India (Extraordinary) dated 1st June, 1988.
कलकत्ता पत्रन्यास (गैर-अंतर्दायी भविष्य निधि) दिव्यांग संसदेश विलियम, 2006

महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 चा अधिनियम 38) की धारा 124 के साथ पहुँचे जाने वाले धारा 28 के खंड (ख) के द्वारा प्रकट न्‌विधायों का प्रयोग करते हुए, कोलकाता के पत्रकार कलकत्ता पत्रन्यास (गैर-अंतर्दायी भविष्य निधि) विलियम, 1988 के संसदेश के लिए निर्माणलिखित विलियम बनाए हैं।

1. संक्षेपित सूचनाएं—इन विलियमों की कलकत्ता पत्रन्यास (गैर-अंतर्दायी भविष्य निधि) दिव्यांग संसदेश विलियम, 2006 के आस्था अनुसार।

2. कलकत्ता पत्रन्यास (गैर-अंतर्दायी भविष्य निधि) विलियम, 1988 का नव तारीख कोलकाता कलकत्ता पत्रन्यास (गैर-अंतर्दायी भविष्य निधि) विलियम, 1988 के नाम से जाना जाए।

3. कलकत्ता पत्रन्यास (गैर-अंतर्दायी भविष्य निधि) विलियमों में—

(ए) "कलकत्ता" शब्द नहीं भू में पृथ्वी; "कोलकाता" के रूप में, पुरातात्त्व का अनुसार।

(ब) विलियम (ए) को निर्माणलिखित द्वारा प्रस्तुतित किया गया।

"अपरीमा का कार्य छ: न्यासों के एक मंडल उसे है निर्मा वन्यजीव पत्रकार का नया अभ्यास, उपयोगिता, जो श्रम या साधन या विवेक के लक्षात्मक हैं जो उन विलियमों के अनुसार निधि के संचालन के लिए कोलकाता पत्रन्यास का उत्तराधिकारी होंगे जो उसे बदल नीये दिया जा है।"
MINISTRY OF SHIPPING, ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS

(Department of Shipping)

(PORTS WING)

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd February, 2006

G.S.R. 49(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 124, read with Sub-section (1) of Section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Calcutta Port Trust (Non-Contributory Provident Fund) Amendment Regulations, 2006 made by the Board of Trustees of Kolkata Port Trust as set out in the Schedule annexed to this Notification.

2. The said Regulations shall come into force from the date of publication of this Notification in the Official Gazette.

SCHEDULE

CALCUTTA PORT TRUST (NON-CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND) SECOND AMENDMENT REGULATIONS, 2006

In exercise of the powers conferred by Clause (b) of Section 28 read with Section 124 of the Major Port Trusts Act, 1963 (Act 38 of 1963), the Board of Trustees for the Port of Kolkata hereby makes the following Regulations to amend the Calcutta Port Trust (Non-Contributory Provident Fund) Regulations, 1988—

1. Short Title.—These Regulations may be called the Calcutta Port Trust (Non-Contributory Provident Fund) Second Amendment Regulations, 2006.

3. In the Calcutta Port Trust (Non-Contributory Provident Fund) Regulations :-

(a) The word 'Calcutta' wherever appearing shall be read as 'Kolkata'.

(b) Regulation 3(a) shall be substituted by the following :-

"Trustees shall mean a Board of six Trustees consisting of the Chairman, Deputy Chairman, two Labour Trustees and the Financial Adviser and Chief Accounts Officer of the Kolkata Port Trust ex-officio who shall be responsible to the Kolkata Port Trust for the conduct of the Fund in accordance with the regulations hereinafter laid down."

(c) Regulation 3(c) shall be substituted by the following :-

"Deputy Chairman" shall mean the Deputy Chairman (Kolkata) and Deputy Chairman (Haldia) for the time being of the Kolkata Port Trust.

(d) A new Regulation 5(a) shall be inserted as follows :-

"Labour Trustees" shall mean the representatives of the Labour Unions in the Board of Trustees of the Kolkata Port Trust for the time being."

(e) Sub-Regulations (d), (e), (i) and (g) of Regulation 3 will be renumbered as (e), (f), (g) and (h) respectively of Regulation 3.

(f) Regulation 4 shall be substituted by the following :-

"The fund shall be controlled on behalf of its members by a Board of six Trustees consisting of the Chairman, both the Deputy Chairmen of Kolkata and Haldia Dock Complex, two Labour Trustees and the Financial Adviser and Chief Accounts Officer of the Kolkata Port Trust ex-officio, who shall be responsible to the Kolkata Port Trust for the conduct of the Fund in accordance with the regulations hereinafter laid down."

The Fund shall be managed by the Senior Accounts Officer, who shall conduct its affairs subject to the control of the Trustees of the Fund."

(g) In Regulation 5, the words "any of the Deputy Chairman" will replace the words "the Deputy Chairman" in the third sentence.

(h) In Regulation 6, the words "any of the Deputy Chairman" will replace the words "Deputy Chairman" in the second sentence.

(i) In Regulation 18, the words "any of the Deputy Chairman" will replace the words "Deputy Chairman" in the first sentence.

(j) In Regulation 25, the words "any of the Deputy Chairman" will replace the words "Deputy Chairman".

(k) In Regulation 29, the words "any of the Deputy Chairman" will replace the words "Deputy Chairman" in the first sentences of both 1st and 2nd paras.


[F.No.PR-12016/22/2005-PE-1]

A.K. BHALIA, Jt. Secy.